कर्नाटक और हिंदुस्तानी संगीत का संगम: परंपरा, तकनीक और सांस्कृतिक संवाद

यूपीएससी प्रासंगिकता

- **प्रारंभिक परीक्षा: नागेश्वरन मंदिर, कुंभकोणम; टी. जानकीरमन, मोगामुल।**
- **मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन पेपर I: भारतीय संस्कृति, शास्त्रीय कलाएँ, साहित्य, अमूर्त विरासत।**

ख़बरों में क्यों?

तमिल उपन्यास **"मोगामुल"** (Mogamul) के लेखक **टी. जानकीरमन** ने **तंजावुर के कुंभकोणम स्थित नागेश्वरन मंदिर** को पृष्ठभूमि के रूप में उपयोग करके कर्नाटक और हिंदुस्तानी संगीत परंपराओं के बीच की बातचीत को दर्शाया है। यह कथा **संगीत निपुणता, मुखर अनुशासन (vocal discipline) और सांस्कृतिक प्रामाणिकता** की सूक्ष्मताओं को उजागर करती है, जो भारत की **अमूर्त विरासत** और शास्त्रीय कलाओं के संरक्षण पर समकालीन बहसों को दर्शाती है।

पृष्ठभूमि

- **नागेश्वरन मंदिर** (कुडंथाई कीझकोट्टम), अपने **रथ के आकार के मंडपम्** के साथ, प्रारंभिक चोलों की रचनात्मक और सांस्कृतिक ऊँचाई का प्रतिनिधित्व करता है।
- जानकीरामन ने प्रतीकात्मक रूप से **पवित्र वास्तुकला को संगीत भक्ति** से जोड़ने के लिए अपनी कहानी को यहाँ स्थापित किया है।
- यह उपन्यास बाबू, उसके गुरु रंगन्ना और आने वाले हिंदुस्तानी संगीतकारों का अनुसरण करता है, उनके संवादों का उपयोग संगीत के **आध्यात्मिक और तकनीकी आयामों** का पता लगाने के लिए करता है।

resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

संगीतमय विरोधाभासों पर प्रकाश डालना (Highlighting Musical Contrasts)

- यह कथा आदर्शवादी कर्नाटक संगीत की तुलना विकसित हो रही कॉन्सर्ट-केंद्रित संस्कृति से करती है, जो समकालीन प्रदर्शनों में **"आत्मा के नुकसान"** की धारणा को उजागर करती है।
- रंगन्ना (जो उमायालपुरम स्वामीनाथन अय्यर पर आधारित हैं) **प्रामाणिक संगीत परंपरा** का प्रतीक हैं, जो **आवाज़ की महारत, अनुशासन और भावनात्मक गहराई** पर ज़ोर देते हैं।
- बाबू, हिंदुस्तानी संगीतकारों के **साँस पर नियंत्रण, लंबी टिकाऊ नोट्स, और रागों के नाजुक संचालन** को देखकर अचंभित होता है, जो दर्शाता है कि सच्ची महारत के लिए समर्पण और अभ्यास की आवश्यकता होती है।
- कुंभेश्वरन मंदिर जैसे स्थानों पर हुए मामूली प्रदर्शन भी प्रदर्शित करते हैं कि **कलात्मक उत्कृष्टता दर्शकों के आकार या सामाजिक मान्यता से परे है।**

हिंदुस्तानी बनाम कर्नाटक संगीत: उत्पत्ति, रूप और अंतर

उत्पत्ति और प्रभाव

- **हिंदुस्तानी संगीत:** दिल्ली सल्तनत के दौरान उभरा, **फ़ारसी, अफ़गानी और अरब** परंपराओं से प्रभावित।
- **कर्नाटक संगीत:** भक्ति आंदोलन में निहित, **त्यागराज, दीक्षितर और श्यामा शास्त्री** की संगीत त्रिमूर्ति से व्युत्पन्न, काफी हद तक **स्वदेशी**।

रूप और वाद्य यंत्र (Forms and Instruments)

- **हिंदुस्तानी संगीत:** ध्रुपद, ख्याल, तराना, ठुमरी, दादरा, ग़ज़ल; वाद्य यंत्र—**तबला, सारंगी, संतूर**।
- **कर्नाटक संगीत:** आलापना, निरवल, कल्पनास्वरम्; वाद्य यंत्र—**वीणा, मृदंगम**।

समानताएँ

- दोनों प्रणालियाँ **आध्यात्मिक रूप से निहित हैं, वैदिक और संस्कृतिक** परंपराओं से विकसित हुई हैं।
- दोनों **स्वर, राग, ताल** को मूलभूत मानते हैं और धुन पर ज़ोर देते हैं।
- दोनों **जन्या रागों** के लिए **संपूर्ण स्केल** का उपयोग करते हैं और श्रुति के लिए **एक ड्रोन** (तंबूरा) पर निर्भर करते हैं।

प्रमुख अंतर (Key Differences)

विशेषता	हिंदुस्तानी संगीत	कर्नाटक संगीत
राग वर्गीकरण	थाट (Thaat)	मेलकर्ता (Melakarta)
समय सिद्धांत	विशिष्ट समय के अनुसार गाया जाता है	कोई समय प्रतिबंध नहीं
घराना प्रणाली	उपस्थित	अनुपस्थित
केंद्र बिंदु	गायन और वाद्य संतुलन	मुख्य रूप से गायन
सुधार बनाम रचना	तात्कालिक सुधार (Improvisation)	लिखित रचनाएँ (Compositions)
लय और नोट्स	धीमी, लंबी नोट्स	तेज, छोटी नोट्स
सांस्कृतिक प्रभाव	फ़ारसी, अफ़गानी, अरब	स्वदेशी

यह तुलना "मोगामुल" में कथात्मक तनाव को पुष्ट करती है, जो प्रत्येक संगीत परंपरा में आवश्यक विशिष्ट विशेषताओं और समर्पण को उजागर करती है।

उपन्यास के मुख्य प्रसंग

- **पहला सामना:** बाबू रंगन्ना के घर हिंदुस्तानी संगीतकारों को देखता है, उनकी तकनीकी महारत और टिकाऊ मुखर नियंत्रण से **आश्चर्यचकित** होता है।

- **मंदिर प्रदर्शन:** नागेश्वरन मंदिर में, हिंदुस्तानी कॉन्सर्ट, हालांकि उसमें कम लोग थे, एक **भावनात्मक और ध्वनिक प्रभाव** पैदा करता है, जो संगीत की **अतीन्द्रिय** प्रकृति को दर्शाता है।
- **सांस्कृतिक टिप्पणी:** पलूर रामू जैसे चरित्र, जो सतही देशभक्ति का दिखावा करते हैं, संगीतकारों के **प्रामाणिक अनुशासन** के विपरीत हैं, जो **दिखावे से ज़्यादा सार** पर ज़ोर देते हैं।

सांस्कृतिक महत्व

- **परंपराओं को जोड़ना:** यह उपन्यास कर्नाटक और हिंदुस्तानी दोनों संगीत की सराहना को बढ़ावा देता है।
- **विरासत का संरक्षण:** आधुनिक दबावों के बीच **आवाज़ संस्कृति, रागों और पारंपरिक तकनीकों** को बनाए रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।
- **सामाजिक-साहित्यिक लेंस:** यह दर्शाता है कि साहित्य और संगीत कैसे एक-दूसरे से जुड़ते हैं, जिससे **शास्त्रीय कलाएँ समाज के लिए सुलभ और प्रासंगिक** बनती हैं।

निष्कर्ष

"मोगामुल" दर्शाता है कि सच्ची संगीत उत्कृष्टता के लिए **अनुशासन, समर्पण और भावनात्मक प्रामाणिकता** की आवश्यकता होती है। कर्नाटक और हिंदुस्तानी परंपराओं को एक साथ रखकर, यह उपन्यास भारत की **समृद्ध संगीत विरासत** का जश्न मनाता है, जबकि समकालीन समाज में **सांस्कृतिक ज्ञान को संरक्षित करने, अभ्यास करने और प्रसारित करने** की आवश्यकता पर ज़ोर देता है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: हिंदुस्तानी और कर्नाटिक संगीत के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हिंदुस्तानी संगीत भक्ति आंदोलन के दौरान उत्पन्न हुआ और पूरी तरह स्वदेशी है।
2. कर्नाटिक संगीत दिल्ली सल्तनत के दौरान विकसित हुआ और इसमें फ़ारसी संगीत का प्रभाव था।
3. दोनों प्रणालियाँ स्वर, राग और ताल को मौलिक तत्व के रूप में उपयोग करती हैं।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

विकल्प:

A. केवल 1
B. केवल 2
C. केवल 3
D. 1 और 3

उत्तर: C. केवल 3

प्रश्न 2: निम्नलिखित में से कौन सा वाद्ययंत्र आमतौर पर कर्नाटिक संगीत से जुड़ा हुआ है?

A. तबला
B. सारंगी
C. वीणा
D. संतूर

उत्तर: C. वीणा

प्रश्न 3: निम्नलिखित संगीत रूपों को उनके सही प्रणाली के साथ मिलाएँ:

कॉलम I | कॉलम II

1. ध्रुपद – A. कर्नाटिक
2. आलापना – B. हिंदुस्तानी
3. निरवल – A. कर्नाटिक
4. ठुमरी – B. हिंदुस्तानी

सही उत्तर चुनें:

A. 1-B, 2-A, 3-A, 4-B
B. 1-A, 2-B, 3-B, 4-A
C. 1-B, 2-B, 3-A, 4-A
D. 1-A, 2-A, 3-B, 4-B

उत्तर: A. 1-B, 2-A, 3-A, 4-B

प्रश्न 4: निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा हिंदुस्तानी और कर्नाटिक संगीत में अंतर को सही ढंग से दर्शाता है?

1. हिंदुस्तानी संगीत में घराना प्रणाली है, जबकि कर्नाटिक संगीत में नहीं।
2. हिंदुस्तानी संगीत में अलाप और सुधार पर जोर है, जबकि कर्नाटिक संगीत में रचनाओं पर।
3. हिंदुस्तानी संगीत में मेलकर्त राग प्रणाली है, जबकि कर्नाटिक संगीत में थाट प्रणाली का उपयोग होता है।

विकल्प:

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. 1, 2 और 3
D. केवल 1

उत्तर: A. केवल 1 और 2

IAS-PCS Institute
Result Mitra
www.resultmitra.com
9235313184, 9235440806

प्रश्न 5: कुम्भकोणम का नागेश्वरन मंदिर किससे संबंधित है?

A. टी. जानाकिरमन के उपन्यास **मोगमुल** से

B. चोलकालीन वास्तुकला

C. उपन्यास में कर्नाटिक और हिंदुस्तानी संगीत प्रस्तुतियाँ

D. उपरोक्त सभी

उत्तर: D. उपरोक्त सभी

IAS-PCS

Result Mitra
रिजल्ट का साथी

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806